निदेशकों की परीक्षा अवधि में उपस्थिति अनिवार्य होगी

- यूटीयू के परीक्षा नियंत्रक डा. वीके पटेल ने विवि से संबद्ध सभी संस्थानों को जारी किया पत्र
- सेमेस्टर परीक्षा के दौरान दून, हरिद्वार व रुड़की के कुछ संस्थानों में नहीं मिले निदेशक

जागरण संवाददाता, देहरादून : वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (यूटीयू) से संबद्ध संस्थानों के प्राचार्य व निदेशक अब सेमेस्टर परीक्षाओं के दौरान अनुपस्थित नहीं रह सकेंगे। उन्हें अनिवार्य रूप से परीक्षा की निगरानी करनी होगी।

यह निर्णय विवि के कुलपति को इसलिए लेना पड़ा, क्योंकि हाल ही में संपन्न यूटीयू की सेमेस्टर परीक्षा के दौरान कुलपति के औचक निरीक्षण के वक्त दून, हरिद्वार व रुड़की के कुछ संस्थानों में मुखिया अवकाश पर मिले। जिस पर कुलपति ने नाराजगी व्यक्त की और सभी संस्थानों के प्राचार्य या निदेशकों को सेमेस्टर परीक्षा में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए।

यूटीयू के परीक्षा नियंत्रक डा. वीके पटेल ने विवि से संबद्ध सभी कैंपस कालेज, सहायता प्राप्त अशासकीय कालेज और स्ववित्तपोषित संस्थानों के निदेशकों को पत्र जारी किया है। कहा कि प्रत्येक प्रश्न पत्र यूटीयू के यूएमएस पोर्टल पर प्राप्त करने के लिए किसी प्रतिनिधि पर आश्रित न रहें, बल्कि स्वयं प्राप्त करें।

यूटीयू से 86 कालेज संबद्ध, 14 हजार विद्यार्थी: यूटीयू से 86 कैंपस कालेज, स्ववित्तपोषित एवं राजकीय कालेज संबद्ध हैं। इनमें विधि, इंजीनियरिंग एवं फार्मेसी पाठ्यक्रमों के 14 हजार से अधिक सीट हैं। यहां चार वर्षीय इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में प्रत्येक वर्ष सम और विषय दो सेमेस्टर परीक्षाओं के अलावा साल में दो बार आंतरिक परीक्षा आयोजित की जाती हैं।

14 हजार से अधिक सीट हैं विधि, इंजीनियरिंग एवं फार्मेसी पाठ्यक्रमों की 86 संस्थानों में

6 यूटीयू से संबद्ध सभी संस्थानों की सेमेस्टर परीक्षा अवधि के दौरान संस्थान के प्राचार्य या निदेशक को उपस्थित रहना होगा। ताकि परीक्षाओं की सुचिता बनी रहे।

प्रो. ओंकार सिंह, कुलपति, यूटीयू